मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 13 अप्रैल 2017

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	14/04/17	15/04/17	16/04/17	17/04/17	18/04/17
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	43	43	44	44	44
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	22	22	23	22	23
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	1	2	1	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	28	29	27	26	24
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	7	9	10	8	7
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	8	9	7	6	6
हवा की दिशा	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
कपास	तैयारी	कपास की बुवाई के लिए उन्नत किस्मों के बीज, खाद व रसायनो की अग्रमि व्यवस्था करें।
ग्रीष्मकालीन ग्वार		मौसम शुष्क रहने व तापमान में बढोतरी को देखते हुए ग्रीष्मकालीन ग्वार की फसल में सिंचाई दें।
बैंगन	फल	बैंगन में फल छेदक के नियंत्रण के लिए फार्मेथियोन 50 ई.सी. 1 मिली लीटर का प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिडकाव करें।
चारा फसल		ज्वार की बहु–कटाई वाली फसल में बुवाई के 25–30 दिनों बाद सिंचाई के साथ 30 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर दें।
टमाटर	वानस्पतिक	टमाटर की फसल में पौध रोपाई के 15–20 दिन बाद निराई गुडाई कर खरपतवार निकालें।
पशु		पशुओं को लू से बचाएं तथा दिन में 3–4 बार पानी पिलाएं।

(नौडल ऑफीसर)